भांजी ने घर में नथ खुलवाई -1

“अन्तर्वासना पर मेरी कहानियाँ पढ़ के मेरे साले की बेटी ने मुझे मेल करके अपनी चूत की नथ अपने फूफा यानि मुझ चूत निवास से उतरवाने की मंशा जाहिर की.. मैंने उसे समझाया भी लेकिन वो नहीं मानी... इस कहानी में पढ़िए कि कैसे क्या हुआ... ...”

Story By: RAJ KUMAR (CHUTNIWAS)
Posted: Tuesday, June 2nd, 2015
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: भांजी ने घर में नथ खुलवाई -1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भांजी ने घर में नथ खुलवाई -1

अन्तर्वासना के पाठक पाठिकाओं को चूतनिवास का नमस्कार !

आपकी सेवा में मेरी एक नई घटना का वर्णन प्रस्तुत है। आशा है पिछली घटना-वर्णनों की भांति ये भी आपको पसंद आएगा।

मेरी एक पाठिका का मेल आया कि चूतनिवास जी मेरा नाम रीना है और मैंने आपको पहचान लिया है। मैं आपकी पत्नी जूसी रानी के सगे भाई की बेटी हूँ और अपने असली नाम से ही यह मेल लिख रही हूँ।

मैंने एक साल पहले ही आपको लिखा था लेकिन अपने उत्तर नहीं दिया।

मैंने लिखा कि रीना मैंने भी तुमको पहचान लिया था और इसी लिए उत्तर नहीं दिया कि तुम मेरी रिश्तेदार हो। अब जब तुमने भी मुझे पहचान लिया है तो फिर तुम मुझे लिख क्यों रही हो।

उत्तर आया कि मैं आपकी चुदाई से बहुत प्रभावित हूँ और मैंने तय कर लिया है कि मैं आपसे ही चुदवा कर अपनी चूत की सील तुड़वाऊँगी।

मैंने लिखा कि ‘यह जानते हुए भी कि तुम मेरे सगे साले की बेटी हो तुम मुझी से चूत क्यों फड़वाना चाहती हो ?’

जवाब आया कि ‘मैंने तो तय कर लिया है आप से ही चुदूँगी क्योंकि आप लड़कियों को बहुत अधिक मज़ा देते हो। मैंने अपनी कई चुदवा चुकी सहेलियों से बात की है लेकिन कोई भी अपने बॉय फ्रेंड से इतना मज़ा नहीं पा रही जैसा आपकी कहानियों में बताया गया

है। और रिश्तेदारी है तो इसमें सुरक्षा भी तो है। कोई ब्लैकमेल का रिस्क नहीं है। कोई गर्भ ठहरने के खतरा नहीं है। इसलिए राजे, बहन के लौड़े तू ही मेरी चूत का उद्घाटन करेगा।'

अपना नाम, तू तड़ाक की भाषा और गाली सुन कर मैं समझ गया कि यह लड़की तो चुदवाये बिना मानेगी नहीं। मैं नहीं चोदूँगा तो कोई और इस लण्ड की प्यासी की चूत के मज़े ले लेगा।
मैंने लिखा कि 'रीना रानी, ठीक है बहनचोद, कमीनी कुतिया, कर दूंगा तेरी चूत का कल्याण!'

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
रीना रानी कानपुर में रहती है, उम्र 19-20 वर्ष और M.Sc.(BOTANY) प्रथम वर्ष की छात्रा है। इसे मैंने करीब दो साल पहले एक शादी में देखा था और याद आ रहा था कि रीना रानी काफी सुन्दर लड़की थी।
उस समय तक उसके चूचे छोटे छोटे थे लेकिन वैसे फिगर मस्त थी। तब मैंने उसे कोई ज़्यादा ध्यान से नहीं देखा था इसलिए ठीक से याद नहीं था कि उसके हाथ, पैर, चूतड़, गर्दन इत्यादि कैसे थे।

मैंने शताब्दी एक्सप्रेस से कानपुर का टिकट बुक करवाया। तीन दिन बाद का आने जाने का पक्का टिकट हो गया।
मार्च 16 को कानपुर जाने का और 18 का वापिसी का रिजर्वेशन करवा लिया। जूसी रानी से बताया कि कानपुर काम से जा रहा हूँ और तेरे भाई के घर पर ही ठहरूँगा।
जूसीरानी ने फोन पर अपने भाई रितेश को बता भी दिया।

यहाँ मैं ये बता देना चाहता हूँ कि इस कहानी में किसी पात्र अथवा स्थान का नाम बदला नहीं गया है। ऐसा इसलिए कि मेरे बार बार समझने पर भी रीना रानी ज़िद पकड़े रही कि कहानी या तो मेरे असली नाम से ही छपेगी नहीं तो छपेगी ही नहीं।

मैंने कहा- ठीक है, माँ चुदवा बहनचोद।

मेरा काम था सुरक्षा की दृष्टि से सही बात बताना। तुझे नहीं माननी है तो जा मरा गांड!
हरामज़ादी बड़ी झाँसी की रानी बनती है तो बन!

रीना रानी की माँ चुदवाने पर ध्यान आया कि मेरे साले की पत्नी भी बहुत सुन्दर और सेक्सी है और बहनचोद मेरे पर लाइन भी मारती आई है। क्यों न माँ बेटी दोनों को ही चोद दूँ एक दूसरे के सामने।
लेकिन फिर ध्यान आया कि उस कमबख्त के पैर तो बेहद बदसूरत हैं- बेढंगे, फटी हुई एड़ियाँ। बहनचोद खड़ा हुआ लौड़ा बैठ जाय उसके बदशक्ल पैर देख कर।

तीन दिन के बाद मैं सुबह साढ़े ग्यारह बजे शताब्दी एक्सप्रेस से कानपुर पहुंच गया।
स्टेशन पर मुझे लेने के लिए मेरा साला, उसकी बीवी, बेटा ऋषि और रीना रानी आये थे।

अब मैंने रीना रानी को अच्छे से देखा… मज़ा आ गया यारों !मस्त अल्हड़ जवानी। ठीक ठीक साइज के 32C के चूचे, सुन्दर प्यारे प्यारे हाथ पैर और लाजवाब टाँगें।
बहनचोद एक घुटनों तक का निकर पहन के आई थी।
रीना रानी की मक्खन सी मस्त टाँगें देखते ही वहीं लण्ड अकड़ने लगा। उसकी अम्मा, माँ की लोड़ी, बार बार अपने चूचुक दिखाने में लगी थी।

खैर घर पहुँचकर मैंने कहा- मुझे 3 बजे होटल लैंडमार्क में मीटिंग के लिए जाना है।
मैंने यह भी कहा कि रीना को साथ ले जाता हूँ और मीटिंग में कह दूंगा कि यह मेरी सेक्रेटरी है। इसलिए मुझे 2 बजे तक लंच से फारिग कर दिया गया और ढाई बजे मैं और रीना रानी साले की टोयोटा ऑल्टिस कार में होटल के लिए रवाना हो गए।

कार ड्राइवर चला रहा था और हम पीछे की सीट पर थे।

कहानी जारी रहेगी।

raku19621962@gmail.co

Other stories you may be interested in

प्यारी भाभी संग जीवन का पहला सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है. मैं गुजरात में भावनगर से हूँ. हालांकि अब मैं सूरत में रहता हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. मुझे लिखना नहीं आता है, इसलिए थोड़ा ऊपर नीचे हो जाए, तो मुझे मेल करके जरूर […]
Full Story >>>

भाभी की कुंवारी बहन की सीलतोड़ चुदाई

अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को मेरा प्रणाम, मेरा नाम पंकज सिंह है. मैं पिछले 3 साल से दिल्ली में पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरी उम्र अभी 24 साल है. मेरा कद 5 फुट 9 इंच है. मैं गोरे रंग का […]
Full Story >>>

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. […]
Full Story >>>

गांव के देसी लंड ने निकाली चूत की गर्मी

मेरी पिछली कहानी थी भाभी के भैया को बना लिया सैंया मेरा नाम रेखा है और मैं देखने में काफी सेक्सी लगती हूँ. मैं गांव में रहने वाली देसी लड़की हूँ इसलिए यहाँ पर जगह का नाम नहीं बता सकती. […]
Full Story >>>

मामा की बेटी की रस भरी चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम परम है और मैं दिल्ली में रहता हूं। मैं हमेशा से ही हिन्दी सेक्स स्टोरी पढ़ा करता था। आज मैं भी आपको अपने साथ हुई एक सच्ची घटना बताना चाहता हूं। यह कहानी एकदम सच है। ये […]
Full Story >>>